राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)
श्रीरणवीरपरिसरः, कोटभलवालः, जम्मूः, जम्मूकाश्मीरम् – 181122
दर्शन-वेद-साहित्य-व्याकरण-शिक्षाशास्त्र-ज्योतिषाधुनिकविषयविभागीया
द्विदिवसीया राष्ट्रियसंगोष्ठ्यः 13 त 28 मार्च 2019 पर्यन्तम्

विभागः-	तिथयः	विषयः	उपविषयः
1. दर्शनम्	13-14/3/2019	सृष्टिप्रक्रिया	वेद में सृष्टिप्रक्रिया
			श्रीमद्भगवद्गीता में सृष्टिप्रक्रिया
			पुराणों में सृष्टिप्रक्रिया
			अद्वैतवेदान्त में सृष्टिप्रक्रिया
			विशिष्टाद्वैत वेदान्त में सृष्टिप्रक्रिया
			शिवाद्वैत वेदान्त में सृष्टिप्रक्रिया
			शुद्धाद्वैत वेदान्त में सृष्टिप्रक्रिया
			वीरशैव वेदान्त में सृष्टिप्रक्रिया
			द्वैताद्वैत वेदान्त में सृष्टिप्रक्रिया
			शक्तिविशिष्टाद्वैत वेदान्त में सृष्टिप्रक्रिया
			सांख्यदर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			न्यायदर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			योगदर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			वैशेषिक में सृष्टिप्रक्रिया
			मीमांसा दर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			बौद्धदर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			जैन दर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			काश्मीर शैव दर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			व्याकरण दर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			ज्योतिष दर्शन में सृष्टिप्रक्रिया
			साहित्यशास्त्र में सृष्टिप्रक्रिया
2. वेदः	14-15/3/2019	वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये वैदिकधर्माणामुपादेयता	
			वेदव्याख्योपक्रमे ब्राह्मणग्रन्थानां महत्त्वम्
			भारतीयसंविधाने वैदिकतत्त्वम्
			वेदेषु मानवमूल्यानि
			वेदेषु नैतिकता विश्वशान्तिश्च

			आश्रमधर्माः नैतिकता च आध्यात्मिकमूल्यानां मानवजीवने प्रासंगिकता
3. साहित्यम्	15-16/3/2019	काव्यस्यात्मा	नहि रसादृते कश्चिदर्थः प्रवर्तते अलंकाराणां काव्यानुप्राणकत्वम् रीतिरात्मा काव्यस्य काव्यस्यात्मा ध्वनिः वक्रोक्तिः काव्यजीवितम् औचित्यं रससिद्धस्य स्थिरं काव्यस्य जीवितम् काव्यजीवितं चमत्कारवत्त्वम्
4. व्याकरणम्	17-18/3/2019	शब्दब्रह्मणः स्वरूपम्	स्फोटपदार्थः वृत्तिस्वरूपम् व्याकरणस्य वेदाङ्गत्वम् व्याकरणाध्ययनस्य उपयोगिता व्याकरणे मोक्षस्वरूपम् शब्दनित्यानित्यत्वविचारः धात्वर्थः व्याकरणाध्ययनस्य प्रयोजनानि
5. शिक्षाशास्त्रम्	18-19/3/2019	समावेशात्मकशिक्षा	समावेशात्मकशिक्षायाः सम्प्रत्ययः छात्राः, अध्यापकाः विद्यालयश्च सर्वकारीयनीतयः विविधशिक्षाभिः अन्तःसम्बन्धः विशिष्टबालकाः, वैशिष्ट्यमावश्यकताश्च आदर्शविद्यालयः नवाचाराणां प्रयोगः
6. ज्योतिषम्	27-28/3/2019	राष्ट्रियसमस्यासु आतङ्कवादः	ज्योतिषीयचिन्तनम् जातके आतङ्कयोगाः कूर्मचक्रदिशा आतङ्कवादक्षेत्रस्य निर्धारणम् वर्षेशद्वारा आतङ्कवादस्य चिन्तनम् मंगलचारद्वाराआतङ्कवादस्य चिन्तनम् शनिचारद्वारा आतङ्कवादस्य चिन्तनम्

ग्रहाणां राशिपरिवर्तनेन आतङ्कवादः
विविधशास्त्रदिशा आतङ्कवादस्य विचारः
सामुद्रिकशास्त्रेषु आतङ्कवादिपुरुषाणां लक्षणम्

7. आधुनिकः 27-28/3/2019 युद्ध एवं शान्ति (War & Peace)

सूचना-

1. संगोष्ठी में विद्यालयों विश्वविद्यालयों /महाविद्यालयों /के संस्कृत अध्यापक, प्राध्यापक, तथा शोधार्थी भाग ले सकते हैं।
2. संगोष्ठी/सेमिनार में मध्याह्नभोजन की व्यवस्था की जाएगी।
3. स्थानीय प्रतिभागियों के लिए आवास की सुविधा नहीं है।
4. संगोष्ठी में भाग लेने वाले किसी भी प्रतिभागी को कोई मार्गव्यय देय नहीं होगा। परन्तु संस्थान के परिसरों से आए हुए प्रतिभागी प्राध्यापकोंपरिसर से संविदा अध्यापकों को शयनयान श्रेणी का रेल किराया मात्र ,अतिथि अध्यापकों , दिया जाएगा।
5. इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 12/03/2019 तक संगोष्ठी/सेमिनार हेतु अपना निबन्धन पत्र परिसर के ईमेल (ranbirjmu@gmail.com) पर अवश्य प्रेषित कर दें।

सधन्यवाद

प्राचार्य